

Newspaper Clips

May 1-2, 2016

May 2

Hindustan Times
ND 02/05/2016
 P-01

ALL NEW HOSTELS TO BE BUILT AT IITs WILL BE CENTRALLY AIR-CONDITIONED

Neelam Pandey

neelam.pandey@hindustantimes.com

NEW DELHI: IIT students can look forward to some cool accommodation, as all new hostels will be centrally air-conditioned.

The human resource ministry, which recently ordered a fee hike at Indian Institutes of Technology, planned to modernise hostels including air-conditioned common areas and state-of-the-art kitchens, sources said.

At the country's top engineering schools, which also enjoy a good standing worldwide, students have to live in hostels. At present, around 80,000 students are enrolled in 18 IITs, a majority of them are in areas where summer is harsh. Five more colleges are in the pipeline.

HRD minister Smriti Irani paid a surprise visit to two hostels at IIT Delhi on Friday. She inspected the kitchen, halls and talked to the students about their problems.

After interacting with the officials and students, the minister decided on an overhaul of the hostels, sources said. At the centre of various student agitations recently, the ministry has announced a string of measures for universities and engineering colleges.

IIT Delhi is first off the block. All rooms will get air-coolers. Water coolers will be installed on every floor and the kitchen and dining areas upgraded.

They were not allowed coolers in the room, which was problem during summer, some students had told Irani.

CONTINUED ON PAGE 6

IIT hostels

The minister wants IITs to invest money to improve hostels as students spend a lot of time there. "Funds for this will be allocated and a proposal regarding this will be discussed soon," the official said.

Recently, IIT Kharagpur students had protested the fee revision, forcing the ministry to clarify that the hike was for new students only.

The annual fee for undergraduate courses has been raised from ₹90,000 to ₹2 lakh from the new academic session. Students belonging to the SC, ST and differently abled categories get a full tuition-fee waiver.

पद के खाली होने से पहले ही भर्ती की प्रक्रिया शुरू करने की सलाह

आईआईटी में शिक्षकों की कमी से समिति नाराज

नई दिल्ली (प्रे)। केंद्रीय विश्वविद्यालयों, आईआईटी और आईआईएम सहित उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षकों की कमी पर संसदीय समिति ने नाराजगी जताई है। समिति ने इसे देश में शिक्षा के स्तर को बनाए रखने और विकास करने के लिए 'सबसे बड़ी बाधा' बताया है।

समिति ने तुरंत सुधार होता नहीं देख स्थिति को भयावह बताया है और सुझाव दिया है कि किसी पद के खाली होने से पहले ही भर्ती की प्रक्रिया शुरू हो जानी चाहिए। शिक्षण को अधिक लुभावना बनाने के लिए इसने सुझाव दिया है कि संकाय को परामर्श भी देना चाहिए।

इस हफ्ते की शुरुआत में पेश रिपोर्ट में मानव संसाधन विकास पर संसद की स्थायी समिति के अध्यक्ष भाजपा सांसद सत्यनारायण जटिया ने पूरे देश में उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षकों की 'अत्यंत' कमी पर चिंता जताई।



समिति ने कहा कि केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की स्थिति ऐसी है

कुल मंजूर संख्या	16600
प्रोफेसर के पद	2376
रिक्त	1277
एसोसिएट प्रोफेसर के पद	4708
रिक्त	2173
सहायक प्रोफेसर के पद	9521
रिक्त	2478

समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि आईआईटी में शिक्षक के लिए न्यूनतम योग्यता पीएचडी है और इस तरह के उम्मीदवारों की कमी है। इसने गौर किया कि कमी को दूर करने के लिए संस्थान शिक्षकों को अनुबंध के आधार पर रख रहे हैं।

समिति ने कहा, समिति ने पाया कि सुव्यवस्थित केंद्रीय विश्वविद्यालयों से लेकर हाल में स्थापित विश्वविद्यालयों, राज्य विश्वविद्यालयों के साथ ही निजी

विश्वविद्यालय और आईआईटी, एनआईटी तथा आईआईएम जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में यह समस्या है जो शिक्षा के विकास के साथ ही उच्च शिक्षा में गुणवत्ता को बनाए रखने में बाधक बना हुआ है।

भर्ती प्रक्रिया में खामियां

समिति ने कहा कि निकट भविष्य में कोई सुधार होता नहीं देख स्थिति विकट ही दिख रही है। समिति ने कहा कि या तो युवा छात्र शिक्षण पेशे की तरफ आकर्षित नहीं हो रहे हैं या भर्ती प्रक्रिया में कई खामियां हैं जिनमें कई प्रक्रियागत औपचारिकताएं हैं। समिति ने कहा कि शिक्षण पेशे को और आकर्षक बनाने के लिए शिक्षकों को कंसल्टेंसी करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए और शुरू में उन्हें वित्तीय सहयोग भी दिया जाना चाहिए।

नमामि गंगे को सफल बनाने आईआईटी संस्थान आगे आए

नई दिल्ली, (दिनेश शर्मा): मानव विकास मंत्रालय के प्रयासों से चल रहे मिशन नमामि गंगे को 13 आईआईटी एनआई का समर्थन मिलने से गंगा सफाई अभियान को बल मिलेगा। सुख:द समाचार यह है कि इस प्रक्रिया से गंगा किनारे बसे गांवों में सफाई अभियान का काम 13 आईआईटी ने संभाल लिया है। मिशन की सफलता के लिए जुड़े आईआईटी कानपुर, आईआईटी खड़गपुर, आईआईटी रुड़की, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी मद्रास, आईआईटी गुवाहाटी व एनआईटी पटना और एनआईटी भुवनेश्वर की ओर से बड़े पैमाने पर काम करने का संकेत दे दिया है। आईआईटी कानपुर ने त्रयांश नाम



से एक टायलेट भी बनाया है। सनातन धर्म मंच के अध्यक्ष सुखवीर शरण अग्रवाल ने मोदी सरकार के नमामि गंगा मिशन की प्रशंसा करते हुए उम्मीद की है कि भाजपा शासन में ही गंगा के साथ यमुना को भी प्रदूषण तथा गंदगी मुक्त कराने की

सराहनीय पहल

गंगा किनारे बसे गांवों में सफाई अभियान का काम संभाला

योजना को बल मिलेगा। आईआईटी संस्थानों के जरिए न केवल तकनीकी मदद उपलब्ध कराना है बल्कि व्यापक कार्य योजना कैसे लागू होगी उस पर भी ध्यान दिया जाएगा। मानवसंसाधन विकास मंत्रालय का कहना है कि गंगा में गिर रहे प्रदूषित पदार्थों को किस तरह से प्रदूषण रहित बनाना है। इसके लिए भी एचआरडी तथा जल संसाधन मंत्रालय ने पिछले साल एक कंसोर्टियम पर हस्ताक्षर

किए थे। समझा जा रहा है कि इस हेतु एक योजना तैयार की गई है जिसके तहत औद्योगिक डिस्चार्ज व चमड़े की फैक्ट्रियों ने निकलने वाली गंद के अलावा मल-मूत्र और गंदे पानी को प्रदूषण मुक्त (जीरो डिस्चार्ज) करके गंगा में छोड़ा जाना शामिल है।

बताया जाता है कि ग्रीन टायलेट के इस्तेमाल के साथ ही इसे सुरक्षित बनाकर रखना भी एक कड़ी चुनौती है इसलिए सरकार हर कदम संभल कर उठ रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रीन टायलेट के लिए सेंसिटाइज करना भी कम चुनौती पूर्ण नहीं है। आने वाले सालों में मिशन नमामि गंगे कुछ ऐतिहासिक कदम उठाने में कामयाब होगी।

MoU signed for setting up IIT Jammu

<http://news.statetimes.in/164982-2/>



JAMMU: In a major step towards setting up Indian Institute of Technology (IIT) at Jammu an MoU was signed on Sunday in presence of Deputy Chief Minister Dr. Nirmal Singh.

The MoU was signed by Director, IIT Delhi Prof. V Ramgopal Rao.

While congratulating the people of the State the Deputy Chief Minister said that government is committed for setting up IIT Jammu with highest standards parallel to other IITs in the country. He also expressed gratitude to the Ministry of Human Resource Development for providing all support and requisite expertise resulting in timely completion of necessary formalities required for establishment of IIT in Jammu.

He said that IIT Jammu has been established at Jagti Nagrota on about 5,000 Kanal of land and the regular classes will commence from the current session in the temporary campus.

Dr. Singh, while directing the executing agencies to put in concerted efforts for timely completion of the project, said that with the establishment of this IIT the students of the State will not have to go to far off cities in the country for obtaining degree in various branches of engineering and technology adding that the institute will be of the highest standards parallel to other IIT's in the country. He also said that with the establishment of the IIT in Jammu long pending demand of the region will be fulfilled and Government is taking all the requisite measures to meet the aspirations of the people of the state.

Minister of State for Education, Technical Education, Culture, Tourism, Horticulture, Floriculture and Parks Priya Sethi while speaking on the occasion said that IIT Jammu will come up fully equipped at par with IIT's in rest of the country.

Earlier, Deputy Chief Minister Dr. Nirmal Singh met a delegation of Chamber of Traders Federation, Jammu led by its President Neeraj Anand alongwith office bearers and patrons. Anand apprised the Deputy Chief Minister about various issues related to trade and demanded government's cooperation for their redressal.

Deputy Chief Minister assured the delegation full cooperation to resolve their issues and demands. The delegation comprised of Parveen Gupta, Kailash Nath Nagar, Sr. Attar Singh, Vinod Sachdeva, Chander Gulati and Vinay Gupta. Later, Dy CM also visited Janak Madan Girls Hostel at Poni Chak Khanpur.

May 2

Hari Bhumi ND 01/05/2016 P-11

आईआईटी-आईआईएम में भरे जाएंगे खाली पद

कविता जोशी, नई दिल्ली

देश में इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट के प्रतिष्ठित उच्च-शिक्षण संस्थानों में शुमार आईआईटी, आईआईएम में निदेशकों की नियुक्ति प्रक्रिया का आगाज केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से कर दिया गया है। आने वाले कुछ महीनों के दौरान चलने वाली नियुक्ति प्रक्रिया में यह पद भरे जाने की संभावना है। छह आईआईएम संस्थानों में निदेशकों की नियुक्ति के लिए मंत्रालय की ओर से विज्ञापन निकाला जा चुका है। कुछ संस्थानों में चयन समिति का गठन भी कर दिया गया है। इसके अलावा आईआईएम रायपुर के निदेशक की नियुक्ति के लिए मंत्रालय द्वारा चयनित तीन नामों को जल्द ही प्रधानमंत्री नरेंद्र

■ निदेशकों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू

ये आईआईटी शामिल

आईआईटी छत्तीसगढ़, जम्मू गोवा, कर्नाटक (धारवाड़), तिरुपति और आईआईटी पलक्कड़ में निदेशकों की नियुक्तियां होनी हैं। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में भिलाई में आईआईटी संस्थान खोला जाना है। अभी रायपुर में इससे संबंधित अस्थाई कक्षाएं चल रही हैं।

मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट की नियुक्ति मामलों की समिति (एसीसी) को भेजे जाने की कवायद चल रही है। एसीसी की बैठक में पीएम के अलावा वित्त मंत्री, गृह मंत्री और संबंधित विभाग का मंत्री शामिल होता है।

Hindustan ND 01/05/2016 P-6

रसोईघर के कचरे से खाद बनाएंगे द्वारकावासी



इनसे सीखें

नई दिल्ली | सुशील राघव

द्वारका की सोसायटियों में जल्द ही रसोईघर से निकलने वाले कचरे से खाद बनाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इस खाद का उपयोग द्वारका के पार्कों में हरियाली को बढ़ाने के लिए किया जाएगा। इससे द्वारका को शून्य कचरा उत्पन्न करने वाला क्षेत्र बनाने में मदद मिलेगी।

360 आरडब्ल्यूए के समूह द्वारका फोरम की पहल पर काम शुरू हो गया है। पहले चरण की शुरुआत एक मई

से होगी। इसमें द्वारका की सभी सोसायटी के लोग अपने घर के कचरे को जैविक और अजैविक में बांटकर दिल्ली नगर निगम को देंगे।

द्वारका फोरम की कोषाध्यक्ष माधुरी वाष्णव ने बताया कि दिल्ली में हर रोज कई हजार मीट्रिक टन कचरा उत्पन्न होता है। ऐसे में हमने सोचा क्यों न व्यक्तिगत स्तर पर कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की शुरुआत की जाए। अपने इस विचार को हमने नगर निगम से साझा किया और उनसे मदद के लिए कहा। नगर निगम ने हमारे विचार को सराहा और मदद करने के लिए राजी हो गया।

इसके अलावा, निगम ने 22 अप्रैल को एक अधिसूचना जारी करते हुए कहा कि अब हर द्वारकावासी को अपने घर पर ही कूड़े को तीन भागों में

आईआईटी दिल्ली के छात्र बद्बू रोकने में करेंगे मदद

माधुरी ने बताया कि खाद बनाने की प्रक्रिया के दौरान कुछ गैस निकलती है, जो बद्बूदार होती है। इसे दूर करने के लिए हम आईआईटी दिल्ली से कैमिकल इंजीनियरिंग कर रहे छात्रों की मदद ले रहे हैं। छात्र अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि हम खाद बनाते समय उसमें एक एंजाइम का उपयोग करते हैं, जो कचरे के बद्बू को दूर कर देता है। अभिषेक ने बताया कि हमने वसंत कुंज में भी ऐसा ही एक प्रोजेक्ट किया था।

बांटना आवश्यक होगा। ये भाग हैं, जैविक कचरा, अजैविक कचरा और खतरनाक कचरा। माधुरी के मुताबिक, निगम अभी ऐसे पार्कों की पहचान करने में लगा है,

जैविक कचरा

जैविक कचरा मुख्य रूप से किचन से ही उत्पन्न होता है। इसमें खराब खाना, फल, सब्जियों के छिलके, फूल, पतियां और कागज शामिल हैं।



खतरनाक कचरा

पुरानी दवाइयां, पेंट्स, कैमिकल्स, बल्ब, बैटरी, उर्वरक, कीटनाशक, जूता पोलिश इत्यादि।

कम किचन वेस्ट होने की वजह से यह प्रक्रिया जल्द शुरू हो जाएगी।

माधुरी ने बताया कि हम हर रविवार को विभिन्न सोसायटियों में जाकर वहां रह रहे लोगों को अपनी

9000

मीट्रिक टन उत्पन्न होता है दिल्ली में रोज

अजैविक कचरा

जैविक कचरे के अलावा घर के कचरे में आने वाला सभी सामान अजैविक कचरा होता है। इसमें प्लास्टिक, कांच, घातु आदि आते हैं।



योजना के बारे में बताते हैं ताकि अधिक से अधिक सोसायटी इस अभियान से जुड़ सकें। इससे द्वारका न केवल साफ हो बल्कि हरा-भरा भी बना रहेगा।

Hindustan Times ND 01/05/2016 P-12

IIMs refuse to toe govt line on reservation in faculty

TOUGH STAND In a response to HRD ministry's letter asking if they followed quota policy in hires, some IIMs said they only looked at merit

Brajesh Kumar

■ letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: India's premier management institutes might be on the warpath with the government over implementing reservations in teaching staff recruitment, potentially aggravating a nationwide debate over caste quotas and discrimination on campuses.

Three top IIMs not dependent on government funds — Kolkata, Bengaluru and Lucknow — haven't yet responded to an HRD ministry letter asking if the schools followed SC/ST/OBC quota policy in faculty hires.

Some other IIMs put up a defiant note to the April 12 letter, saying they stressed only on merit in staff recruitment, said sources. IIM-Rohtak said 16 of 17 faculty positions were from the general category.

"You cannot be giving non-deserving candidates preference just because they are SC or ST," Kiran Mazumdar Shaw, chairper-

Reservation for students at school and university level is fine, but to fill faculty positions on the basis of caste at premier management schools that are centres of excellence is foolhardy.

AN IIM DIRECTOR

son of IIM-Bangalore, told HT.

IIM-Trichy said it extended reservations, provided the candidate measured up to qualification sought.

An IIM director, who did not wish to be named, said quotas in teaching positions will hurt the quality of education that 'brand IIM' is associated with.

"Reservation for students at school and university level is fine, but to fill faculty positions on the basis of caste at premier manage-

ment schools that are centres of excellence is foolhardy," he said.

India extends reservations for SCs, STs and OBCs for social empowerment of the communities that have been historically marginalised. But critics say quotas hurt the quality of education and are unfair to upper-caste candidates.

The IIM controversy comes as the Centre faces intense criticism over caste discrimination and the absence of SC/ST/OBC faculty members.

Most IIMs said they recruited teachers on merit and not on the basis of their caste or background. "We agree a combination of meritocracy and affirmative action is the solution and if all things are equal, we would certainly give preference to a candidate from SC or ST community," Shaw said.

Sources said after getting the status report on reservation policy in these institutions, the government will work out a strategy to enforce it.

IIT-Guwahati Student Allegedly Commits Suicide In Hostel Room

<http://www.ndtv.com/guwahati-news/iit-guwahati-student-allegedly-commits-suicide-in-hostel-room-1401290>

GUWAHATI: A student of the Indian Institute of Technology-Guwahati (IITG) allegedly committed suicide by hanging himself from the ceiling of his hostel room, police said on Saturday.

SI Alam of West Bengal's Murshidabad, was found hanging around 10.30 pm on Friday by a co-resident who informed police. Although the student was rushed to a local hospital, the doctors declared him brought dead.

Mr Alam was a first semester student of MSc (Physics) and he was supposed to sit for his semester examination starting Saturday.

"We have recovered a note from near the body where it was written that no one is responsible for his death. We have sent the note to the forensic science laboratory for matching the handwriting with the deceased," said Rana Bhuyan, in-charge of the North Guwahati police outpost.

"It is difficult to ascertain the exact cause of the death as of now. However, preliminary investigation indicates it to be a case of suicide and the student must have taken the extreme step due to stress," he said.

IISC DEVELOPS NOVEL APPROACH TO STORE HYDROGEN EFFICIENTLY

[HTTP://WWW.BANGALOREMIRROR.COM/OTHERS/SCI-TECH/IISC-DEVELOPS-NOVEL-APPROACH-TO-STORE-HYDROGEN-EFFICIENTLY/ARTICLESHOW/52056417.CMS](http://www.bangaloremirror.com/others/sci-tech/iisc-develops-novel-approach-to-store-hydrogen-efficiently/articleshow/52056417.cms)



Hydrogen is acknowledged as an alternative energy source, it is abundant and a zero-emission fuel. While there are several challenges involved in utilising hydrogen as a fuel, like difficulty in storage of hydrogen and selectivity, researchers at the Indian Institute of Science (IISc), Bengaluru, have found a new way to store hydrogen efficiently.

Till date, research in this field was primarily directed at finding a suitable material for hydrogen storage. The aim, so far, has been to find a lightweight medium that would store a viable amount of hydrogen, and release it as needed. Such a material was engineered; it was a carbon base with metal atoms decorated on it and the idea was that these atoms would interact with hydrogen. Scientists, however, said that though the theory suggested that the material could store more hydrogen, this extra storage could not be achieved in practice.

"This is where our work comes in. In the experimental cases, oxygen was also interacting with these metal atoms, thus reducing the amount of hydrogen stored. Hence, there was a need to somehow block this oxygen interaction," said Dr Abhishek Singh, assistant professor at the Materials Research Centre, IISc. He worked along with PhD student Rafia Ahmad and project assistant Pankaj Lochan Bora on the project.

While currently hydrogen is used as a fuel for rocket propulsion at the National Aeronautics and Space Administration (NASA) and is also used in fuel cells, where chemical energy is converted into electricity, this recent finding by the IISc team addresses the hydrogen storage problem. It is a huge step towards development of a hydrogen fuel cell.

THE SOLUTION

The solution proposed in their study involves 'capping' the metal atoms with molecules called 'arenes'. This alters the electronic structure of the atoms in such a way that oxygen interaction is cut off, whereas hydrogen access is still secured, said the team. While this particular study was specifically aimed at hydrogen storage, this unique idea can be extended to other applications also. "The key idea you can take away from this study is that selectivity of a gas-adsorbing or gas-storing system can be improved by engineering relevant electronic structures. So this can be applied to gas sensors and industrial catalysts, basically any place where one would prefer storage of one gas over the others," he said. The findings have been published in the International Journal of Hydrogen Energy.

WHAT'S THE POTENTIAL?

Dr Singh is optimistic about the potential of this study. Two separate research groups have already expressed their interest in carrying out experiments based on this new approach. "We've basically addressed a hurdle that has remained unresolved for quite some time. This can have a huge impact on our energy source problems and pollution woes. We've given the idea; now it's up to experimentalists to take this forward. Hopefully, in a few years, we'll be harnessing hydrogen as we had envisioned," he said.